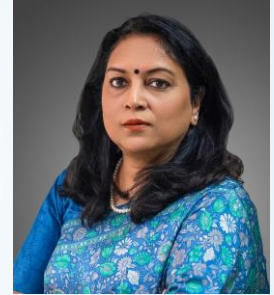


Message from Director (IS&P)

Vigilance is not merely a function—it is a mind-set that reinforces the very foundation of our organization. It reminds us that transparency, honesty and accountability are not occasional aspirations, but principles to be upheld in every action, every process and every decision.



At BHEL, we take pride in our legacy as a key pillar in India's socio-economic and industrial growth. As a leading public sector enterprise, BHEL's contribution towards national self-reliance is anchored in innovation, quality and dedication. Being custodians of public trust, we are conscious that every rupee utilized, every project executed and every product delivered must reflect the integrity and commitment expected from a public institution.

In this context, vigilance is not confined to a single department - it is a shared responsibility and a way of working that must be embedded across all levels of the organization. Each employee, partner and stakeholder contributes to building a transparent and ethical work culture. When systems are robust, processes are fair and accountability is upheld, efficiency and excellence become natural outcomes.

As we observe Vigilance Awareness Week 2025, it is an opportune moment to reaffirm our individual and collective role in fostering integrity-driven governance. Through consistent adherence to ethical practices, each of us strengthens BHEL's reputation as a trusted and transparent organization.

This year's theme, "**Vigilance: Our Shared Responsibility**," calls upon us to stay alert, act with fairness and uphold our core values in every sphere of work. Let us, therefore, resolve to abide by the spirit of this theme so that BHEL continues to exemplify integrity, accountability, and excellence in serving the nation.


(Bani Varma)
Director (IS&P)

निदेशक (औ. प्र. एवं उ.) का संदेश

सतर्कता केवल एक कार्यक्षेत्र नहीं, एक सोच है, जो हमारे संगठन की नींव को मज़बूत करती है। यह हमें याद दिलाती है कि पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही कोई ऐसे मूल्य नहीं हैं जिनकी कभी-कभी चर्चा कर ली जाए, बल्कि ऐसे सिद्धांत हैं जिनका पालन हर कार्य, हर प्रक्रिया और हर निर्णय में किया जाना चाहिए।

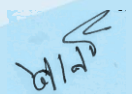


बीएचईएल में कार्य करते हुए, हमें भारत के सामाजिक-आर्थिक और औद्योगिक विकास के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में अपनी विरासत पर गर्व है। एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में, बीएचईएल का राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता में योगदान नवाचार, गुणवत्ता और समर्पण पर टिका है। आम लोगों के विश्वास के संरक्षक होने के नाते, हम भली-भाँति जानते हैं कि हमारे द्वारा उपयोग किया गया हर रुपया, निष्पादित की गई हर परियोजना और आपूर्ति किया गया हर उत्पाद एक सार्वजनिक संस्थान से अपेक्षित सत्यनिष्ठा और प्रतिबद्धता को दर्शाना चाहिए।

इस संदर्भ में, सतर्कता केवल एक विभाग तक सीमित नहीं है। यह एक साझा उत्तरदायित्व और कार्य प्रणाली है, जिसे संगठन के प्रत्येक स्तर पर समाहित किया जाना चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी, भागीदार और स्टैकहोल्डर एक पारदर्शी और नैतिक कार्य संस्कृति के निर्माण में योगदान देता है। जब सिस्टम मज़बूत होते हैं, प्रक्रियाएँ निष्पक्ष होती हैं और जवाबदेही कायम रहती है, तब दक्षता और उत्कृष्टता स्वाभाविक परिणाम बन जाते हैं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाते हुए, यह सही समय है जब हम सत्यनिष्ठा पर आधारित अभिशासन (governance) को बढ़ावा देने में व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर अपना सर्वोत्तम योगदान करें। नैतिक कार्यप्रणाली का लगातार पालन करने से, हम सब एक विश्वसनीय और पारदर्शी संगठन के रूप में बीएचईएल की छवि को बेहतर बनाते हैं।

इस वर्ष की थीम **“सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी”** हम सभी से यह आह्वान करती है कि हम सतर्क रहें, निष्पक्षता से कार्य करें, और अपने मूल सिद्धांतों को हर कार्यक्षेत्र में बनाए रखें। आइए, हम सब इस विषय की भावना का निरंतर पालन करने का संकल्प लें ताकि बीएचईएल राष्ट्र की सेवा में निष्ठा, जवाबदेही और उत्कृष्टता का प्रतीक बना रहे।



(बानी वर्मा)

निदेशक (औ. प्र. एवं उ.)